अध्याय 7

सङ्गीत उपकरण

उद्देश्य: -सङ्गीतक रचना मे वाद्ययन्त्रक प्रासङ्गिकताकेँ बुझब आ वाद्ययन्त्र परिवारक अन्वेषण। वाद्ययन्त्रक उपयोग स्वर आ लयक स्तरित आ समृद्ध ध्वनि उत्पन्न करबाक लेल कयल जाइत अछि।

गतिविधि 1: कोनो सङ्गीत मे वाद्य यन्त्र के भूमिका

'श्यामले मीनाक्षी' गीत सुनू । आब, एकरा अपने गाबए के कोशिश करू।

गीत: श्यामले मीनाक्षी
रचनाकार: मुथुस्वामी दीक्षितर

श्यामले मीनाक्षी
सुन्दरेश्वर साक्षी
शङ्करी गुरुगुहा
समुदभवे शिवेवा
पामार मोचनी
पङ्कजा लोचनी
पद्मासन वाणी हरि
लक्ष्मी विनुते शाम्भवी

"सब सङ्गीतकार एकटा कथाकार होइत छथि, जे हृदयक कथा सुनयबाक लेल धुन आ लयक उपयोग करैत छथि।"

— पण्डित रवि शङ्कर, भारत रत्न, सितार विशेषज्ञ

0680CH07

क्रियाकलाप	वर्गक सङ्ग चर्चा करू
अहाँक कक्षामे उपलब्ध कोनो वाद्ययन्त्रक सङ्ग एहि गीतकेँ गाउ। अथवा, तालसँ गीत गयबाक लेल ताली, मोहर आदिक लेल शरीरक अङ्गक प्रयोग करू।	शरीरक अङ्गक प्रयोग अहाँकेँ गीत गयबामे कोना सहायता कयलक? की अहाँ एकर आनन्द लेलहुँ?
आब, गाउ एकटा ऑडियो ट्रैक सँ। सङ्गक वाद्ययन्त्र एकटा वायलिन आ एकटा अछि मृदङ्ग।	कोनो वाद्ययन्त्र कोनो सङ्गीत टुकड़ाक अनुभवकेँ केना प्रभावित करैत अछि?
आब, गाउ वाद्ययन्त्रक एकटा नव सेट पर ऑडियो ट्रैकक सङ्ग - एकटा पियानो आ ड्रम।	अलग-अलग वाद्ययन्त्रक सङ्ग गयबाक अहाँक अनुभव की छल? की अहाँ के कोनो प्राथमिकता छल आ कियैक?

© NCERT not to be republished

अहाँके बूझल अछि की

उस्ताद बिस्मिल्लाह खान भारतक सबसँ पैघ शहनाई वादकमेसँ एक छथि जे भारत रत्नक अनुयायी छथि। वुडविंड वाद्ययन्त्र, शहनाई, जकर उपयोग पहिने बेसी लोक सङ्गीतमे होइत छल, एहि महान सङ्गीतकारक प्रयाससँ हिन्दुस्तानी शास्त्रीय सङ्गीतमे लोकप्रिय भऽ गेल। हुनका धार्मिक सद्भावक प्रतीक मानल जाइत छल। हुनका 15 अगस्त 1947 कँ लाल किलामे प्रस्तुति देबाक लेल आमन्त्रित कएल गेल छल, जाहि दिन भारतकँ स्वतन्त्रता भेटल छल।

गतिविधि 2: सुननाइ आ जवाब दए रहल अछि

सुनू एकटा खिस्सा कहल जा रहल अछि एकटा वाद्ययन्त्रक सङ्ग। बताबू जे वाद्ययन्त्र केना अछि कथा कथनक गहराई बढ़ाबैत अछि।

सरस्वती वीणा

एहि वाद्ययन्त्रकँ बजाबैत काल कोनो कथा सुनबाक प्रयास करू आ अपन भावनाकँ रिकॉर्ड करू।

गतिविधि 3: साधन परिवार

सङ्गीतक दूटा महत्वपूर्ण घटक राग आ गति अछि। एकर आधार पर वाद्ययन्त्रकँ एहि रूपमे वर्गीकृत कयल गेल अछि:

- माधुर्य वाद्ययन्त्र
- ताल वाद्ययन्त्र

वाद्ययन्त्रकँ आगू एहि आधारपर वर्गीकृत कयल जाइत अछि जे ओकरा कोना बजाओल जाइत अछि। वाद्ययन्त्रक वर्गीकरणकँ बुझबाक लेल अगिला पृष्ठमे देल गेल चित्रकँ देखू।

सारणीमे उल्लिखित वाद्ययन्त्रक अतिरिक्त, दूटा वाद्ययन्त्रक नाम बताउ जे लय के लेल उपयोग कयल जाइत अछि?

1. _____
2. _____

की अहाँ दूटा वाद्ययन्त्रक नाम बता सकैत छी जे रागक लेल प्रयोग कयल जाइत अछि?

1. _____
2. _____

की अहाँ दूटा राग वाद्ययन्त्रक नाम दऽ सकैत छी जे तार तोड़ि बजाओल जाइत अछि?

1. _____
2. _____

की अहाँ दूटा ताल वाद्ययन्त्रक नाम बता सकैत छी जे धातुसँ बनैत अछि?

1. _____
2. _____

© NCERT not to be republished

© NCERT not to be republished

क्यूआर कोड स्कैन करू आओर एकरा इंस्ट्रूमेट नाम सँ मिलान करू

क्यू आर कोड	उपकरण	क्यू आर कोड	Instrument
1.	a. सितार	2.	b. संतूर
3.	c. हार्मोनियम	4.	d. शहनाई
5.	e. वायलिन	6.	f. शहनाई
7.	g. बोर्ड	8.	h. सरोद
9.	i. बांसुरी	10.	j. पखावाज

© NCERT not to be republished

Answers: 1-e, 2-d, 3-a, 4-b, 5-c, 6-h, 7-j, 8-i, 9-g, 10-f

गतिविधि4: अपन साधन बनाउ

जलतरंग एकटा रोचक उपकरण अछि जाहिमे काँच, धातु वा माटिक कटोराक एकटा समूह होइत छैक जाहिमे प्रत्येक मे पानिक स्तर अलग-अलग होयत छैक। कलाकार प्रत्येक कटोरीक रिमकेँ लकड़ीक छड़ीसँ मारैत छथि आ सङ्गीत उत्पन्न करैत छथि। ई एकटा राग आ ताल वाद्ययन्त्र अछि। हम एकरा पवन उपकरणक रूपमे वर्गीकृत कऽ सकैत छी किएक तँ प्रत्येक कटोरीमे जलस्तरसँ ऊपर उपस्थित हवा ध्वनि उत्पन्न करबाक लेल कम्पन करैत अछि। ई एकटा पारस्परिक उपकरण सेहो छैक किएक तँ ध्वनि एकटा झिल्ली या सतह पर प्रहार कऽ उत्पन्न होइत छैक, जे कटोरीक रिम होइत छैक।

आउ हम एकटा बनाउ जलतरंग ओहि कटोरीक सङ्ग जे अहाँक भनसाघर मे उपलब्ध अछि।

अहां के जरूरत पड़त

पाँचटा मजगूत कटोरी, पानिक एकटा डिब्बा, आ दूटा पेन्सिल वा लकड़ीक लाठी। आब, हमसभ —

- एकटा टेबुल पर बाटी केर एकटा पंक्तिमे व्यवस्थित करु।
- बासनमे अलग-अलग मात्रामे पानि भरि दियौ। अहां पहिल कटोरी मे एक कप पानि भरि सकैत छी, दोसर कटोरी मे थ्रे भरि सकैत छी।E- Fहमर कप, तेसर कटोरी आधा कप सङ्ग, आ चारिम कटोरी एक चौथाई कप पानिक सङ्ग।
- अहाँक अपन जलतरंग प्रयोगक लेल तैयार अछि।
- पेंसिल या छड़ी सँ धीरे-धीरे हर कटोरी के रिम पर प्रहार करू, आ अपन सङ्गीत बनाउ। देखू जे जखन अहाँ अलग-अलग कटोरी मारैत छी तखन पिच केना भिन्न होइत अछि।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 5: सुनू आओर सीखू

देखू एकटा दृश्य आ श्रवण भारत सं वाद्ययन्त्रक परिचय सीभारतीय सङ्गीत अनुभव सङ्ग्रहालय, बेंगलुरु द्वारा अनुवादित। एहि मे सं कोन वाद्ययन्त्र अहां के पसिन्न अछि आ कियैक? वाद्ययन्त्रकेँ वर्गीकृत करबाक विभिन्न तरीकापर ध्यान दियौक।

गतिविधि 6: आउ एहि सम्बन्धमे एकटा प्रोजेक्ट बनाउ

- सङ्गीत आ विज्ञान।
- कोनो स्थानीय सङ्गीतकारक जीवन रेखाचित्र आ ओकर संयोजन।

सङ्गीत वाद्ययन्त्रक अनुपम संसार

वाद्ययन्त्र एकटा समृद्ध सङ्गीत अनुभव उत्पन्न करैत अछि। उपकरणकेँ ओकर उपयोगिता आ ओहि सामग्रीक आधार पर वर्गीकृत कयल जा सकैत अछि जाहिसँ ओ बनाओल गेल अछि। जे गीत अहां के मजा आबि रहल अछि से सुनि लिय। प्रयुक्त उपकरणक पहिचान करू आ ओकरा अलग-अलग श्रेणीमे वर्गीकृत करू।

शिक्षकसभकेँ नोट करू

विद्यालय स्थानीय कलाकारसभकेँ कार्यशाला आ प्रदर्शनक लेल आमंत्रित कऽ सकैत अछि। बच्चासभकेँ कलाकारसँ बातचीत करबाक लेल प्रोत्साहित करू जाहिसँ ई पता चलय जे ओ अपन शिक्षकसँ कोना सीखलनि। ओ कोन तरहक जीवन जीबैत छथि आ कोनो आन अनुभव कलाकार साझा करबाक लेल तैयार छथि। छात्रसभकेँ विशिष्ट वाद्ययन्त्र आ ओकर मूल वादन तकनीक (शिक्षकक उपलब्धताक अनुसार) सीखबाक लेल सेहो प्रोत्साहित करू।)

पण्डित रविशङ्कर
(भारत रत्न पुरस्कारसँ सम्मानित)

© NCERT not to be republished